Date – 29/08/2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's College, Samastipur
Email Id. – Snehababli 1987 @ gmail.com
Cont. no. – 8409587640

Class – B.A. – II (Hons.)

Topic – Concept of Modes : Spinoza

Scanned with CamScanner

पर्याय (Modes)

द्रव्य के आगन्तुक, परिवर्तनशील या आकस्मिक धर्मों के पर्याय (Modes) कहा गया है। ये द्रव्य के वास्तविक एवं अनिवार्य धर्म नहीं हैं। स्पिनोजा के अनुसार - "पर्याय से मेरा तात्पर्य द्रव्य के परिणामी धर्मों से है। यह दूसरों पर आश्रित होता है और उसके द्वारा ही समझा जाता है।"

पर्याय अपने अस्तित्व एवं ज्ञान के लिए द्रव्य पर आश्रित है। पर्यायों की द्रव्य से पृथक स्वतंत्र सत्ता नहीं है। पर्याय अनेक, संख्यात्मक एवं सीमित हैं। द्रव्य के चैतन्य गुण के पर्याय हैं- बुद्धि (Understanding) और संकल्प (Will) जबकि द्रव्य के विस्तार गुण के पर्याय हैं- गति (Motion) और स्थिति (Rest)।

Scanned with CamScanner

स्पिनोजा के अनुसार पर्याय के दो प्रकार (Types) हैं—

1. अनन्त 2. सान्त

ईश्वर के शरीर रूप में पर्याय अनन्त एवं नित्य है। जबकि व्यक्तिगत शरीर या विभिन्न जीव शरीर के रूप में सान्त और अनित्य है। चैतन्य के रूप में बुद्धि तथा संकल्प अनन्त और नित्य है, किन्तु विविध जीवों के रूप में सान्त और अनित्य है। इसी प्रकार विस्तार के रूप में गति तथा स्थिति अनन्त और नित्य है किन्तु विभिन्न भौतिक जगत जड़ पदार्थों के रूप में सान्त तथा अनित्य। इस प्रकार स्पिनोजा द्रव्य से विश्व की विविधता एवं परिवर्तनशीलता की व्याख्या करते हैं।

Scanned with CamScanner